

# पाटनगर उदय

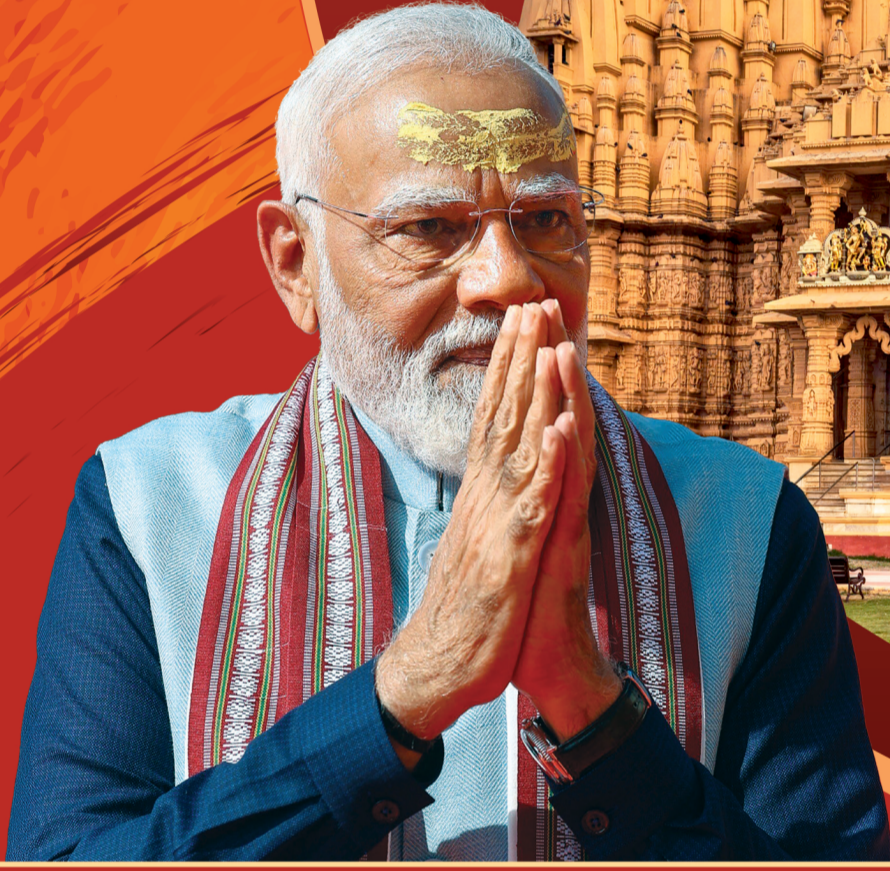


सोमनाथ  
अनंत कालों का अनुभव

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।  
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

## सोमनाथ

विरासत के 75 साल



सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है।

1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है।

75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।

इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें

मुख्य गतिविधियां

कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप | सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन  
सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन

“ सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है। ”  
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)

श्री सोमनाथ मंदिर परिसर, प्रभास पाटन | 8 से 11 मई, 2026

“ सोमनाथ हमारी अजेय सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। आइए, इस दिव्य विरासत के 75 वर्ष पूरे होने के उत्सव में सहभागी बनें। ”  
- हर्ष संघवी, उपमुख्यमंत्री



सोमनाथ की दिव्यता व भव्यता में दें योगदान और बनें  
गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।  
स्कैन करें।

# मातृत्व की शक्ति : परिवारों का पोषण और कार्यक्षेत्र के भविष्य का निर्माण

Attribution: Ritika Malik, Senior Vice President, HR at Amway, India

मातृत्व महज एक भूमिका नहीं है; यह एक अद्भुत अनुभव है। जब दुनिया मातृ दिवस मना रही है, तो यह समय है कि हम पारंपरिक शुभकामनाओं और फूलों के गुलदस्ते से परे जाकर माताओं की शान्त, अटूट शक्ति का सम्मान करें। यह शक्ति आराम से नहीं, बल्कि देर रात तक काम करने, सुबह जल्दी उठने और करियर के साथ-साथ परिवार के पालन-पोषण के भावनात्मक श्रम को सहन करने से उत्पन्न होती है।

आज की दुनिया में, मातृत्व एक महिला के जीवन में ठहराव नहीं है; यह एक ऐसा निर्णायक अध्याय है जो न केवल घर को, बल्कि कार्यस्थल और समाज को भी व्यापक रूप से आकार देता है।

मातृत्व का दोहरा दृष्टिकोण: देखभालकर्ता और योगदानकर्ता आधुनिक मातृत्व रूढ़ियों से परे है। आज की माताएँ देखभालकर्ता और योगदानकर्ता दोनों हैं, जो बच्चों की देखभाल और लक्ष्यों को संभालने, बच्चों को स्कूल ले जाने और रणनीतिक योजनाएँ बनाने जैसी भूमिकाएँ निभाती हैं।

## थराद तालुका के रामपुरा गांव के लोगों की मांग पर नया हेल्थ सेंटर बनाया जा रहा है



रिपोर्ट दिनेश भाई ठाकरे

थराद तालुका के रामपुरा गांव में साल 2018 में एक प्राइमरी हेल्थ सेंटर को मंजूरी मिली थी, लेकिन नई बिल्डिंग का काम आज तक पूरा नहीं हुआ है। अभी यह हेल्थ सेंटर सब-सेंटर की पुरानी बिल्डिंग में चल रहा है, जिससे गांव वालों को सही हेल्थ सुविधाएँ नहीं मिल पाती हैं। गांव वालों का कहना है कि पिछले पांच साल से नई बिल्डिंग की मंजूरी के बावजूद काम आगे नहीं बढ़ा है। रामपुरा समेत आस-पास के कई गांवों के लोग अब प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि नई बिल्डिंग का

समाज में गहरी जड़ें जमा चुकी अपेक्षाओं और अपर्याप्त सहायता प्रणालियों के बावजूद, कामकाजी माताएँ घर के भावनात्मक माहौल को संभालते हुए कार्यस्थल पर अपनी जिम्मेदारियाँ निभाती हैं।

माताओं को सशक्त बनाना: कार्यस्थल की भूमिका आज के तेज गति वाले पेशेवर जगत में संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कामकाजी माताओं को पहचानना और उनका समर्थन करना अब महज एक सुविधा नहीं रह गई है, बल्कि प्रतिभा को बनाए रखने और समावेशी, भविष्य के लिए तैयार कार्यस्थल बनाने के इच्छुक कंपनियों के लिए यह एक आवश्यकता है।

सार्थक समर्थन के लिए प्रमुख रणनीतियाँ लचीली कार्य व्यवस्था: माताओं को अपनी सुविधानुसार व्यक्तिगत और व्यावसायिक जिम्मेदारियों को संतुलित करने की अनुमति देने से उत्पादकता और स्वास्थ्य में सुधार होता है। चाहे हाइब्रिड मॉडल हो या समायोज्य कार्य समय, लचीलापन मूलभूत आवश्यकता है।

परिसर में ही बच्चों की देखभाल और परिवार की देखभाल के लिए

अवकाश: ये सहायता की टोस प्रणालियाँ बनाते हैं, जिससे यह सशक्त संदेश जाता है कि देखभाल करना कोई निजी चुनौती नहीं बल्कि एक साझा जिम्मेदारी है।

संपर्क बनाए रखने के कार्यक्रम: मातृत्व अवकाश के दौरान माताओं को सूचित और सक्रिय रखना उनकी वापसी को आसान बनाता है और अपनेपन की भावना को मजबूत करता है। कुछ संगठन नई माताओं को मार्गदर्शक या 'साथी' से जोड़ते हैं ताकि उनका बदलाव सुगम हो सके।

मेंटरशिप और समावेशन नेटवर्क: ऐसे समुदाय बनाना जहाँ कामकाजी माताएँ जुड़ सकें, अनुभव साझा कर सकें और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें, एक अधिक लचीली और सहायक संस्कृति को बढ़ावा देता है।

सहयोगी सहयोग: नए माता-पिता को विस्तारित पितृत्व अवकाश प्रदान करने वाले संगठन यह भी सुनिश्चित करते हैं कि नई माँ को सहयोग मिले, पिता अपने बच्चों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बना सकें और एक समान अभिभावक के रूप में योगदान दे सकें। पिताओं द्वारा सक्रिय पालन-पोषण की भूमिका निभाने के बारे में अधिक बातचीत करना, और इसके

लिए नीतियाँ और प्रक्रियाएँ बनाना, यह सुनिश्चित करने का एक और तरीका है कि महिलाओं को मातृत्व के बाद अपने पेशेवर जीवन को जारी रखने के लिए सही वातावरण मिले।

जब संगठन मातृत्व को एक संपत्ति के रूप में देखते हैं, तो वे ऐसे कार्यस्थल बनाते हैं जो न केवल समावेशी होते हैं, बल्कि सहानुभूतिपूर्ण, नवोन्मेषी और वास्तविक दुनिया की जरूरतों के अनुरूप होते हैं, एक ऐसी संस्कृति जो पहले से ही एमवे इंडिया में व्यवहार में परिलक्षित होती है।

मानसिक स्वास्थ्य: अदृश्य परत कामकाजी माताओं के जीवन की व्यावहारिक चुनौतियों के बारे में तो बहुत कुछ कहा जाता है, लेकिन इसके मानसिक प्रभावों पर कम ही ध्यान दिया जाता है। प्रसवोत्तर परिवर्तन, पहचान में बदलाव और समय के बँट जाने का अपराधबोध चिंता, तनाव और भावनात्मक थकान का कारण बन सकते हैं।

माताओं को सही मायने में सहयोग देने के लिए, कंपनियों को उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में भी निवेश करना होगा। इसमें शामिल हैं:

कर्मचारी सहायता कार्यक्रम और

कामकाजी माता-पिता के लिए तैयार किए गए स्वास्थ्य कार्यक्रम घर से काम करने की ऐसी विवेकपूर्ण नीतियाँ जो व्यक्तियों को अलग-थलग किए बिना दबाव कम करती हैं

मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बातचीत करना, जिससे माता-पिता को अपने बच्चों के समग्र स्वास्थ्य पर ध्यान देने का अवसर मिले।

मानसिक स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं है, बल्कि यह सफल और टिकाऊ करियर की नींव है।

नेतृत्वकर्ता के रूप में माताएँ: व्यवहार में सहानुभूति

मातृत्व नेतृत्व क्षमता को कम नहीं करता, बल्कि उसे बढ़ाता है। माताओं के अनुभव सहानुभूति, लचीलापन, एक साथ कई काम करने की क्षमता, धैर्य और दबाव में भी स्पष्ट रूप से सोचने की क्षमता जैसे आवश्यक नेतृत्व गुणों को पोषित करते हैं। ये गुण जटिल चुनौतियों और बदलावों के बीच टीमों का मार्गदर्शन करने में अमूल्य हैं। जब कंपनियाँ इस बात को समझती हैं, तो वे न केवल माताओं का कार्यबल में स्वागत करती हैं, बल्कि उन विकसित नेताओं का स्वागत

करती हैं जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में ढलने और सफल होने की क्षमता पहले ही प्रदर्शित कर दी है। माताओं से 'वापस आने' के लिए कहने के बजाय, संगठनों को यह समझना चाहिए कि वे पहले ही कितनी प्रगति कर चुकी हैं, और उनके द्वारा लाए गए नेतृत्व अनुभव की गहराई को महत्व देना चाहिए।

एक दिन से परे की प्रतिबद्धता मातृत्व की सुंदरता पूर्णता में नहीं, बल्कि दृढ़ता में निहित है। यह उपस्थित रहने, घर और कार्यालय में काम करने और न केवल बच्चों, बल्कि समुदायों और सपनों को संभालने की खांमोश शक्ति है। इस मातृ दिवस पर, आइए हम उससे से आगे बढ़कर कार्रवाई करें। आइए हम कार्यस्थल की ऐसी नीतियों, नेतृत्व के अवसरों और दैनिक प्रथाओं का समर्थन करें जो न केवल माँ की भूमिका का, बल्कि उसके पीछे छिपी महिला का भी सम्मान करें।

क्योंकि जब हम माताओं का समर्थन करते हैं, तो हम सपनों के लिए एक मजबूत, अधिक दयालु भविष्य में निवेश करते हैं, एक ऐसा विश्वास जिसे हम एमवे इंडिया में अपनी 'लोगों को प्राथमिकता' देने वाली संस्कृति के माध्यम से कायम रखते हैं

## उधना पुलिस का विशेष अभियान शुरू

फिरोती या असामाजिक तत्वों की सूचना देने पर पहचान रहेगी गोपनीय

रिपोर्ट दिनेश भाई ठाकरे

पुलिस ने एक विशेष अभियान की शुरुआत की है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान के तहत पुलिस सीधे लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएँ सुन रही है और सुरक्षा का भरोसा दिला रही है।

सूरत शहर के पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोट और सेक्टर-1 के एडिशनल पुलिस कमिश्नर बलराम मीणा के मार्गदर्शन में उधना पुलिस स्टेशन के पीआई आर. एम. ठाकरे और उनकी टीम द्वारा यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस टीम

उधना थाना क्षेत्र में आने वाले रिहायशी और औद्योगिक इलाकों में जाकर मकान मालिकों, फैक्ट्री मालिकों और व्यापारियों से सीधे संपर्क कर रही है।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा लोगों को विश्वास में लेकर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिया जा रहा है। पीआई ठाकरे ने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी व्यक्ति को कोई असामाजिक तत्व परेशान करता है, अवैध मांग करता है या अवैध गतिविधियों में शामिल दिखाई देता है, तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि



सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस का मानना है कि इस तरह के जनसंपर्क अभियान से लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ेगी और अपराधियों पर भी अंकुश लगेगा। साथ ही, व्यापारियों और नागरिकों का पुलिस पर

• व्यापारियों को दिया सुरक्षा का भरोसा  
• मकान और फैक्ट्री मालिकों से सीधा संवाद  
• शहर में कानून-त्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से उधना

विश्वास मजबूत होगा, जिससे अपराध की घटनाओं को समय रहते रोका जा सकेगा। उधना पुलिस का यह कदम शहर में सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

रिपोर्ट: सऊदी अरब का अमेरिका को एयरस्पेस देने से इनकार

## क्राउन प्रिंस की नाराजगी के बाद ट्रम्प ने होर्मुज से जहाजों का रेस्व्यू रोका



रिपोर्ट: सऊदी अरब/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका ने 4 मई को होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही शुरू करने के लिए 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' शुरू किया था। हालाँकि एक दिन बाद ही ट्रम्प ने इसे रोकने का आदेश दिया। तब ट्रम्प ने कहा था कि पाकिस्तान के कहने पर उन्होंने यह ऑपरेशन रोका है।

हालाँकि अब यह दावा किया जा रहा है कि सऊदी अरब की वजह से अमेरिका को यह कदम उठाना पड़ा। NBC न्यूज के मुताबिक सऊदी अरब ने इस मिशन में शामिल अमेरिकी विमानों को अपने एयरस्पेस और एयरबेस के इस्तेमाल की इजाजत देने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प ने अचानक सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन का ऐलान कर दिया था। इससे खाड़ी के सहयोगी देश चौंक गए। सऊदी लीडरशिप इससे नाराज हो गया। ट्रम्प ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत भी की, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। अमेरिका 2 दिन में सिर्फ 3 जहाज पर कार्रवाई और आखिरकार ट्रम्प को यह ऑपरेशन रोकना पड़ा। अमेरिका ने ईरान से जुड़े कुछ लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें इराक के डिप्टी ऑयल मिनिस्टर अली मारीज अल-बहादली का नाम भी शामिल है। अमेरिका का आरोप है कि उन्होंने तेल कारोबार के जरिए ईरान और उसके समर्थित समूहों की मदद की। इसी वजह से उन पर कार्रवाई की गई है। इसके अलावा

अमेरिका ने इराक के तीन अन्य अधिकारियों और चार कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका का कहना है कि ये लोग ईरान समर्थित नेटवर्क से जुड़े हुए हैं और उनकी आर्थिक मदद कर रहे थे। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि इस समय सबसे अहम मुद्दे युद्धविराम, युद्ध को खत्म करने की कोशिश और क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखना है। बघाई ने कहा कि ईरान अभी भी अमेरिका के प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। प्रस्ताव पर अंतिम फैसला होने के बाद ही आगे की दिशा तय की जाएगी।

अमेरिका ने ईरान का शांति के लिए जो प्रस्ताव दिया है उसमें सबसे पहले युद्ध खत्म करने की घोषणा, 30 दिनों तक दोनों देशों की विस्तृत बातचीत, होर्मुज, परमाणु कार्यक्रम और अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील जैसे मुद्दे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी IMO के महासचिव आर्सेनियो डॉमिंगेज ने कहा है कि होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंस गए हैं।

पनामा में आयोजित एक समुद्री सम्मेलन में उन्होंने बताया कि इन जहाजों के साथ लगभग 20 हजार चालक दल के सदस्य यानी नाविक भी फंस हुए हैं। चीन ने UAE पर हुए हमलों को लेकर गहरी चिंता जताई है और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव का विरोध किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियां ने कहा कि बीजिंग ऐसे किसी भी कदम के खिलाफ है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़े।

## चापरडा ब्रह्मानंद विद्या मंदिर में इंटर DLSS हैंडबॉल लीग 2026 का आयोजन

रि. पी. जी. जोशी विसावर

गुजरात के खेल प्रथिकरण और श्री ब्रह्मानंद विद्या मंदिर ने 27/4/2026 से 1/5/2026 तक राज्य स्तरीय इंटर DLSS हैंडबॉल लीग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। गुजरात के खेल प्रथिकरण और स्कूल के अथक प्रयासों से, राज्य सरकार खेल बजट के माध्यम से छात्रों को सर्वांगीण विकास गतिविधियों के साथ-साथ गहन प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान करती है। हैंडबॉल इंटर लीग टूर्नामेंट का आयोजन पांच दिनों तक मेजबान स्थल चापरडा श्री ब्रह्मानंद विद्या मंदिर में किया गया, जिसमें आयोजक संस्था ने टूर्नामेंट से पहले कोच, प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों के लिए विशेष सुविधाएँ प्रदान कीं, साथ ही खिलाड़ियों के लिए



आवास और भोजन की व्यवस्था भी की। प्रतिभागी पी. बापू द्वारा संस्था के विभिन्न विभागों में चलाई जा रही विभिन्न सेवा गतिविधियों के बारे में जानकारी पाकर काफी प्रभावित हुए। संस्था के शिल्पकार, पी. मुक्तानंदजी बापू, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे और उन्होंने सभी विजेता प्रतिभागियों को कांस्य, रजत और स्वर्ण पदक के साथ-साथ ट्रॉफियाँ देकर

उनका उत्साहवर्धन किया। पी.बापू ने अपने आशीर्वाचन में विजेता खिलाड़ियों से कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति ही एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है, और उन्होंने युवाओं को ऊर्जा का स्रोत बताया।

उन्होंने यह भी कहा कि खेलों के साथ-साथ जीवन में सबसे पहले अनुशासन का पालन किया जाना चाहिए, क्योंकि कड़ी मेहनत का

परिणाम ही सफलता में बदलता है। पी. बापू ने छात्रों से कहा कि सफलता आपका जन्मसिद्ध अधिकार है। पूरे लीग प्रतियोगिता के दौरान विशेषज्ञ कोच श्री सी.पी.सिंग उपस्थित रहे, और संस्था के अध्यक्ष अर्जुनसिंह राठोड़, निदेशक कमलेशभाई धाधल, तथा प्राचार्य भाविनाभाई जोशी पूरे कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे। पूरे टूर्नामेंट के दौरान विद्यार्थियों और कार्यक्रम की जिम्मेदारी खेले विकास अधिकारी श्री भूषण कुमार यादव, जूनागढ़ के मुख्य कोच निमेशभाई पटेल और कौशिकभाई पटेल ने संभाली। वॉलीबॉल के मुख्य कोच खिलनभाई अजुडिया द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञापन के अनुसार, श्री ब्रह्मानंद विद्या मंदिर के सभी कर्मचारियों, कोचों और प्रशिक्षकों ने वॉलीबॉल के मुख्य कोच खिलनभाई अजुडिया के मार्गदर्शन में कड़ी मेहनत की।

## CM सम्राट ने गृह विभाग अपने पास रखा: नीतीश के बेटे निशांत को स्वास्थ्य विभाग, विजय सिन्हा संभालेंगे कृषि; विभागों का बंटवारा

पटना

बिहार में नई सरकार के गठन के 22 दिन बाद गुरुवार को सम्राट कैबिनेट का विस्तार किया गया। पटना के गांधी मैदान में कुल 32 मंत्रियों ने शपथ ली। इसमें भाजपा के 15, जदयू के 13, लोजपा (रामविलास) के 2, हम के 1 और RLM के 1 मंत्री शामिल हैं।

विभागों का बंटवारा भी हो गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह विभाग समेत 6 विभाग अपने पास रखे हैं। वहीं नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को स्वास्थ्य विभाग सौंपा गया है। निशांत कुमार पहली बार मंत्री बने हैं और फिलहाल किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। डिप्टी सीएम बिजेन्द्र प्रसाद यादव

को वित्त विभाग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि दूसरे डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी जल संसाधन विभाग संभालेंगे। पूर्व डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को कृषि मंत्रालय दिया गया है। शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी मिथिलेश तिवारी संभालेंगे। शिक्षा विभाग पहली बार बीजेपी को मिला है। शपथ समारोह के साथ ही सम्राट कैबिनेट में कुल

34 मंत्री हो चुके हैं। निशांत कुमार, मिथिलेश तिवारी, श्वेता कुमारी समेत 8 नेता पहली बार मंत्री बने हैं। JDU कोटे से 2 डिप्टी CM मुख्यमंत्री के साथ पहले ही शपथ ले चुके हैं। 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों ने शपथ ली। पहली बार में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह, और

दिलीप जायसवाल ने शपथ ली। समारोह में PM मोदी भी शामिल हुए हैं। कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार को अपने पास बुलाया। मंच पर उनसे हाथ मिलाया, इस दौरान नीतीश कुमार ने पीएम का कंधा पकड़कर हिला दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में सीधे राष्ट्रगान बजाया गया, जबकि

प्रोटोकॉल के हिसाब से पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम् बजाया जाना था। दो बार बिहार के स्वास्थ्य मंत्री रहे मंगल पांडेय इस बार कैबिनेट में जगह नहीं मिली है, खबर है कि पार्टी में उन्हें बड़ी जगह दी जाएगी। सम्राट कैबिनेट में बीजेपी कोटे से 15 मंत्रियों ने शपथ ली है। इनमें 5 नए चेहरे हैं, वहीं तीन पुराने लोगों को इस

बार मौका नहीं मिला। इनमें बीजेपी के सीनियर लीडर मंगल पांडेय, बेगूसराय के बछवाड़ा से विधायक सुरेंद्र मेहता और प. चंपारण से नारायण प्रसाद का नाम शामिल है। मंत्री पद नहीं मिलने के बाद मंगल पांडे को भाजपा संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। पूर्व मंत्री नितिन नवीन की टीम में शामिल होंगे। खबर

है कि मंगल पांडे को भाजपा का राष्ट्रीय महासचिव बनाया जा सकता है। साथ ही यूपी चुनाव में प्रभारी भी बनाए जा सकते हैं। पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार मंत्री पद की शपथ ली। उन्हें स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इसके बाद वो पटना इस्कॉन मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की।

## आईपीएल में आज होगा आरसीबी और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में गुरुवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा। इस मैच में जीत के साथ ही आरसीबी का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। आरसीबी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और उसके बल्लेबाज व गेंदबाज भी लय में हैं ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। वहीं भुवनेश्वर कुमार और जोस हेजलवुड जैसे घातक गेंदबाज हैं। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इस सत्र में काफी अच्छी रही है। टीम ने इस सत्र में 6 मैच जीते हैं जिससे उसके 12 अंक हैं। उसका रेट रन रेट भी बेहतर है। कप्तान रजत पाटीदार की आरसीबी की ओर से विराट के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा योगदान दिया है। विराट ने अब तक सबसे अधिक 379 रन बनाए हैं। इस मैच में भी टीम को सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की कमी खलेगी। साल्ट उंगली में चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर

शामिल जैकब बथेल को इस मैच में भी अवसर मिलना तय है। वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल दो मैच ही जीती है। 4 अंक लेकर वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है, ऐसे में वह प्लेऑफ की दौड़ से तकरीबन बाहर हो गयी है। उसे अपनी संभावनाएं बनाये रखने इस मैच के अलावा बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही अच्छी नहीं रही है। ऐसे में उसके लिए इस मैच में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है। उसके कप्तान ऋषभ पंत भी फार्म में नहीं हैं। टीम के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज निकोलस पूरन के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी रही है। उसके प्रमुख बल्लेबाज मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम भी विफल रहे हैं। अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं। ऐसे में उसके लिए आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमक का सामना करना कठिन होगा। आरसीबी के पास भुवनेश्वर और हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा ऋणाल पंड्या



ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

अब तक हुए मैचों की बात करें तो दोनों के

बीच कुल 7 मैच हुए हैं जिसमें से आरसीबी ने पांच ने पांच जबकि लखनऊ ने दो मैच जीते हैं।

### टीम इस प्रकार है

**रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु**— रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पंडिकर, जितेश शर्मा, जैकब बथेल, ऋणाल पंड्या, रोमारियो शोफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रमिख सलाम खार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मीश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विबी ओस्टवाल, विहान मल्लोत्रा, कनिष्क चौहान, सार्विक देसवाल।

**लखनऊ सुपर जायंट्स**— ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अश्वत रघुवंशी, आयुष बडेनी, मुकुल चौधरी, हिमंत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अशिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहम्मिन खान, एनरिक नोकिरिया, प्रिंस यादव, दिवेश रावै, मणिमान सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

## हार से निराश अक्षर बोले, 10 से 15 रन और बनाते तो परिणाम कुछ और होता



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने यहां चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। अक्षर ने कहा कि अगर हम 10 से 15 रन और बनाते तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। इस मैच में हार से दिल्ली कैपिटल्स के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं कम हुई हैं। अक्षर ने कहा कि 155 रन का स्कोर बचाव के लिए अच्छा था हालांकि टीम 10-15 रन और बनाती तो अच्छा रहता। उन्होंने कहा नए बल्लेबाजों के लिए बल्लेबाजी करना बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि गेंद रुककर आ रही थी और कभी नीची तो कभी असामान्य उछाल ले रही थी। हालांकि, उन्होंने सीएसके के बल्लेबाज संजू सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा कि जब बल्लेबाज क्रीज पर सेट हो जाता है, तो विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर महसूस होने लगता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से

कहा, मुझे लगता है कि हम 10-15 रन से पीछे रह गए। सैमसन ने धीमी और गेंदबाजों की सहायक पिच पर संजू सैमसन की 52 गेंदों में 87 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिला दी। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा बनाए गए सात विकेट पर 155 रन के लक्ष्य को सुपरकिंग्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ चेन्नई ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाए रखा है और वह 10 मैचों में पांचवें जीत के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स को इतने ही मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा है और आठ अंकों के साथ वे सातवें स्थान पर टिकस गए हैं, जिससे प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। अक्षर ने कहा कि उनकी टीम को गेंदबाजी के दौरान कुलदीप यादव की कमी महसूस हुई।

## लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अभी पूरी तरह बंद नहीं हुआ प्लेऑफ का रास्ता

— बचे हुए सभी पांच मैच जीतने होंगे

**मुम्बई (एजेंसी)।** कप्तान ऋषभ पंत की लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक इस टूर्नामेंट में मिली सातवीं हार के साथ ही तकरीबन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है हालांकि आधिकारिक तौर पर देखें तो अब भी सुपर जायंट्स की संभावनाएं बनी हुई हैं पर उसे बचे हुए सभी पांच मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। कप्तान ऋषभ ने भी स्वीकार किया कि उनकी टीम को अब टॉप-4 में पहुंचने के लिए काफी किस्मत की जरूरत होगी। वह गलत नहीं हैं, क्योंकि 9 मैचों में 2 जीत और 7 हार के साथ ही सुपरजायंट्स को अब प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अन्य टीमों के परिणामों के उसके अनुसार आने पर निर्भर रहना होगा।

प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को बनाये रखने के लिए, लखनऊ को अब अपने बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। उन्हें 7 मैचों को रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी), 10 और 15 मैचों को दो बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), 19 मैचों को राजस्थान रॉयल्स (आर) और 23 मैचों को पंजाब किंग्स (पंजाब किंग्स) का सामना करना है। इन सभी पांच मैचों में जीत से उन्हें 10 और अंक मिलेंगे, जिससे वे सत्र के अंत में 14 अंक हासिल कर सकते हैं



हालांकि, केवल अपनी जीत पर्याप्त नहीं होगी। लखनऊ की टीम को अपनी जीत के साथ यह भी उम्मीद करनी होगी कि पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जैसी मजबूत टीमों अपने ज्यादातर मैच जीतें। इससे ये टीमों 16 या उससे अधिक अंक हासिल कर शीर्ष-3 प्लेऑफ स्थानों को पकड़ कर सकेंगी, जिससे चौथे स्थान के लिए मुकाबला खुला रहे। इसके अलावा उसे ये भी उम्मीद करनी होगी

कि रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु, गुजरात टाइटंस अपने बचे हुए मैचों में हारें, ताकि वे 14 से अधिक अंक न बना सकें। उसके लिए बंगलुरु को हराना भी अत्यंत जरूरी होगा। कुल मिलाकर, प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए लखनऊ को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा, बल्कि अन्य टीमों के परिणामों के भी पूरी तरह से अनुकूल होने की प्रार्थना करनी होगी। इस प्रकार देखा जाये तो उसे चमत्कार की ही अधिक जरूरत है।

## अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलेगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीमों अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले अपनी तैयारियों को आंके के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ चार मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 15 से 20 मई तक खेली जाएगी। इससे भारतीय टीमों को जापान के काकागामिगाहारा में होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले अभ्यासका अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि इससे पहले साईं भोपाल में हमारा कैप बहुत सफल रहा है। खिलाड़ियों को इसमें काफी सीखने को मिला। इस शिविर में हमारा मुख्य ध्यान सभी पोजीशन पर बुनियादी तकनीकों को मजबूत करने पर था, जिससे खिलाड़ी आधुनिक हॉकी की मांगों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें और सैनियर स्तर की ओर लगातार आगे बढ़ें। कोच ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ ये अनुभव मैच की उनकी तैयारी में एक अहम कदम है। यह सीरीज टीम के लिए उच्च-स्तर का अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेने का अवसर है। इस सीरीज में हम अपनी टीम के बेहतर संयोजन की तलाश करेंगे जिससे अंडर-18 एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे अच्छी टीम चुनने में हमारी मदद करेगा। वहीं महिला टीम की कोच और पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने भी कहा कि कहा की साईं भोपाल में हमारा कैप अच्छा रहा। खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक शानदार अवसर था और हम खुश हैं कि उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ ये मैच खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने का और आगामी अंडर-18 एशिया कप के लिए तैयार होने का बेहतरीन अवसर। यह प्रत्येक खिलाड़ी के लिए अपनी क्षमताओं को मैदान पर साबित करने का एक अवसर है। सीरीज का कार्यक्रम दोनों टीमों के लिए एक ही है। महिला और पुरुष टीमों अपने मुकाबले 15 मई को शुरू करेंगी। इसके बाद दूसरा मैच 17 मई को, तीसरा मैच 18 मई को और चौथा व अंतिम मैच 20 मई को खेला जाएगा।

## हमारा वर्ल्ड कप होस्ट 'फीफा है, ट्रंप या अमेरिका नहीं', ईरान का बड़ा बयान

**दुबई (एजेंसी)।** तेहरान-ईरान के फुटबॉल प्रमुख का कहना है कि उनके वर्ल्ड कप का होस्ट 'फीफा है, न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका' और उन्होंने इस्लामिक रिवालयनरी गार्ड कॉर्पोस के प्रति सम्मान की मांग की है, अगर राष्ट्रीय टीम को इस गर्मी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करनी है। अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के कारण वर्ल्ड कप में ईरान की भागीदारी को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है।

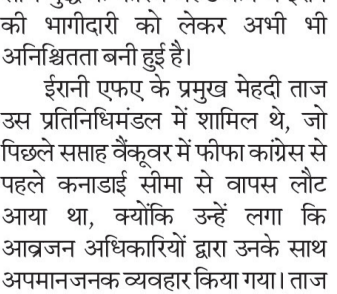
ईरानी कप के प्रमुख मेहदी ताज उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे, जो पिछले सप्ताह कैम्ब्रिज में फीफा कॉर्पोस से पहले कनाडाई सीमा से वापस लौटा आया था, क्योंकि उन्हें लगा कि आब्रजन अधिकारियों द्वारा उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। ताज

ने कहा कि घर लौटने का फैसला उनका अपना था, लेकिन कनाडा के आब्रजन मंत्री ने संसद में पुष्टि की कि ईरानी एफए अध्यक्ष का वीजा उस समय रद्द कर दिया गया था जब वे हवाई जहाज में थे, क्योंकि आईआरजीसी के साथ उनके संबंध थे। IRGC की स्थापना ईरान की इस्लामी व्यवस्था की रक्षा के लिए की गई थी और यह देश में एक प्रमुख सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक शक्ति बन गया है। हालांकि, कनाडा और अमेरिका में इस समूह को एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। फीफा के महासचिव मैटियस ग्रॉफस्ट्रॉम ने 'असुविधा और निराशा' के लिए खेद व्यक्त करते हुए एक पत्र लिखा और ईरान को 20 मई को ज्यूरिख में उनके वर्ल्ड कप की तैयारियों के बारे में बैठक के लिए आमंत्रित किया है।

ताज, जो IRGC के एक उच्च पदस्थ अधिकारी रह चुके हैं, ने मंगलवार को सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग को बताया कि वे वर्ल्ड कप में ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाले व्यवहार के बारे में शासी निकाय से आश्वासन मांगेंगे। ताज ने कहा, 'हमें अपनी यात्रा के लिए वहाँ एक गारंटी चाहिए कि उन्हें हमारी व्यवस्था के प्रतिकों - विशेष रूप से आईआरजीसी - का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। यह कुछ ऐसा है जिस पर उन्हें गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। यदि ऐसी कोई गारंटी मिलती है, तो उन्हें खेद भी स्वीकार करना होगा कि वे किसी भी तरह से हमारे सैन्य संस्थानों का अपमान नहीं करेंगे। क्योंकि अगर वे

11 जून से 19 जुलाई के बीच मिलकर वर्ल्ड कप की मेजबानी करेंगे। ईरान के दो मैच लॉस एंजेलिस में होने हैं - 15 जून को न्यूजीलैंड के खिलाफ और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ; इसके बाद 26 जून को मिस्टर ट्रंप ने उसका मुकाबला मिस्स से होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री माकर रूबियो ने पिछले हफ्ते कहा था कि ईरान से जुड़े किसी भी व्यक्ति को देश में आने की इजाजत नहीं दी जाएगी। ताज ने कहा, 'हम वर्ल्ड कप में जा रहे हैं, जिसके लिए हमने कालिफाई किया है; और हमारे मेजबान फीफा है - न कि मिस्टर ट्रंप या अमेरिका। अगर वे हमारी मेजबानी स्वीकार करते हैं, तो उन्हें खेद भी स्वीकार करना होगा कि वे किसी भी तरह से हमारे सैन्य संस्थानों का अपमान नहीं करेंगे। क्योंकि अगर वे

सदस्य देशों में से ईरान एकमात्र ऐसा फीफा संघ था जिसका वैक्यूम में हुई फीफा कांग्रेस में कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। फीफा अध्यक्ष जियानो इन्फेंटिनो ने कहा कि ईरान अमेरिका जाएगा और तय कार्यक्रम के अनुसार ही अपने मैच खेलेगा - भले ही मार्च में ईरान ने अपने मैचों को मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था।



## बीसीसीआई ने जारी किया आईपीएल प्लेऑफ का कार्यक्रम , अहमदाबाद में खेला जाएगा फाइनल

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सत्र के प्लेऑफ फाइनल के लिए मैच स्थलों की घोषणा कर दी। बोर्ड ने एक बदलाव करते हुए फाइनल मैच बंगलुरु की जगह पर अहमदाबाद में रख दिया है। पहले खिताबी मुकाबला बंगलुरु में रख गया था पर वहां आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे अहमदाबाद में रखने का फैसला लेना पड़ा। पारंपरा के अनुसार आईपीएल के फाइनल की मेजबानी मौजूदा चैंपियन टीम के पास होती है पर राजनीतिक कारणों की वजह से ये बंगलुरु के हाथ से निकल गयी क्योंकि वहां कुछ विधायक मुफ्त में पांच टिकट मांग रहे थे। इसके अलावा वहां कुछ और परेशानी भी आ रही थी।



आईपीएल 2026 का दूसरा क्वालीफायर शुरुवार 29 मई को न्यू चंडीगढ़ में ही खेला जाएगा। वहीं फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में रविवार 31 मई को खेला जाएगा। क्वालीफायर 1 की विजेता और क्वालीफायर 2 की विजेता टीम को धर्मशाला में होगा। क्वालीफायर 1 उन टीमों के बीच खेला जाता है, जो लीग फेज के बाद अंक तालिका में नंबर एक और नंबर दो पर रहती हैं, जबकि एलिमिनेटर में नंबर 3 और नंबर 4 की टीम खेलती हैं। इस तरह अंक तालिका में शीर्ष 2 में रहने पर आपको दो अवसर प्लेऑफ में जाने के मिलते हैं। इस बार प्लेऑफ मुकाबले तीन शहरों में रखे गये हैं। अभी तक क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर मैच एप्रिल 31 मई पर, जबकि क्वालीफायर 2 और फाइनल दूसरे मैदान पर खेला जाता था, लेकिन इस बार क्वालीफायर 1

अलग, एलिमिनेटर और क्वालीफायर 2 अलग और फाइनल अलग मैदान पर खेला जाएगा।

### प्लेऑफ कार्यक्रम

**क्वालीफायर 1** - मंगलवार 26 मई - एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला  
एलिमिनेटर - बुधवार 27 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़  
**क्वालीफायर 2** - शुरुवार 29 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़  
फाइनल - रविवार 31 मई - नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद

## संजू सैमसन मैच जिताऊ पारी खेलकर औरेंज कैप तालिका के शीर्ष पांच में पहुंचे, साई सुदर्शन को लगा झटका



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने धीमी और टर्न ले रही दिल्ली की पिच पर 52 गेंदों में नाबाद 87 रन की मैच जिताऊ पारी खेलकर औरेंज कैप तालिका के शीर्ष पांच में जगह बना ली।

सैमसन ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यह कमाल किया। उन्होंने गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन को पांचवें स्थान से हटाया। इसके साथ ही वह केएल राहुल, अभिषेक शर्मा, हाइनरिक क्लासन और वैभव सूर्यवंशी के साथ IPL 2026 में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए। सैमसन के इस सीजन 10 पारियों में 402 रन हो गए हैं। उनका औसत 57.42 और स्ट्राइक रेट 167.50 का है। बुधवार रात

सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला पंजाब किंग्स से होना है। ऐसे में अभिषेक शर्मा और क्लासन दोनों के पास टॉप स्थान तक पहुंचने का मौका रहेगा।

वहीं पर्पल कैप तालिका की बात की तो मंगलवार के मुकाबले के बाद पर्पल कैप टेबल के टॉप पांच में कोई बदलाव नहीं हुआ। भुवनेश्वर कुमार अब भी 17 विकेट के साथ टॉप पर बने हुए हैं। उनके बाद अंशुल कम्बोज (चेन्नई सुपर किंग्स, 17 विकेट), कमिसो रबाडा (गुजरात टाइटंस, 16 विकेट), जोफा आर्चर (राजस्थान रॉयल्स, 15 विकेट) और इशान मलिंगा (सनराइजर्स हैदराबाद, 15 विकेट) शामिल हैं। कम्बोज ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अलग-अलग फेज में गेंदबाजी की, लेकिन अपने चार ओवर में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

## रोहित पहले ही खेलना चाहते थे पर मैंने रोका था : कोच जयवर्धने

**मुम्बई।** मुम्बई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेश जयवर्धने ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक सप्ताह पहले ही फिट हो गये थे और खेलने के लिए तैयार थे पर उन्होंने ही रोहित को कुछ और दिनों आराम दिया था। इसका कारण ये था कि रोहित हेमिस्ट्रिंग चोट से उबरें थे। रोहित ने इसके बाद वापसी करते हुए ए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी। जयवर्धने ने कहा कि रोहित अपनी हेमिस्ट्रिंग चोट के बाद मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक थे पर इस बार हमने उनके साथ थोड़ा और धैर्य रखा। आमतौर पर वह एक हफ्ते में ही लौट आते हैं, लेकिन हमने उन्हें एक अतिरिक्त सप्ताह दिया ताकि वह पूरी तरह तैयार हो सकें और अपनी इच्छानुसार खेल सकें। ये फैसला इसलिए लिया गया ताकि वह दौरान चोटिल न हो। टीम चाहती थी कि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी करें। रोहित आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने के दौरान ही चोटिल हो गये थे। उनकी उनकी अनुपस्थिति में मुंबई इंडियंस ने कई प्रयोग किये क्योंकि टीम उस दौरान टीम खराब दौर से गुजर रही थी। तीन सप्ताह के बाद रोहित ने अच्छी वापसी की। इस सत्र की पांच पारियों में उनके नाम 221 रन हैं, जिसमें उनका औसत 55.25 और प्रभावशाली स्ट्राइक रेट 174.01 रहा है। इस सत्र में उनके नाम दो अर्धशतक भी हैं, जो उनकी फॉर्म और टीम में उनके महत्व को दर्शाते हैं। वापसी के बाद, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रोहित ने रयान रिफेल्टन के साथ मिलकर 65 गेंदों में 143 रन की साझेदारी की। अब रोहित 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु से खेलते दिखेंगे।

## बुमराह से ब्रेक की जरूरत को लेकर बात करें प्रबंधन : बांगड़



**मुम्बई।** आईपीएल के इस 19 सत्र में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खराब फार्म से सभी हैरान हैं। मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे बुमराह की गेंदों पर जमकर रन बन रहे हैं पर वह विकेट नहीं ले पा रहे। इससे उनकी टीम मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान हुआ है और वह केवल 6 अंक लेकर नीचे स्थान पर है। ऐसे में कहा है कि उन्हें अब आराम दिया जाना चाहिये। वहीं इस मामले को गंभीर मानते हुए पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने टीम प्रबंधन से कहा है कि वह बुमराह से सीधे बात करें और उनसे आराम लेने को लेकर पूछें। उनसे पूछें, क्या वह पूरी तरह से फिट है या फिर उन्हें आराम की जरूरत है। अगर वह आराम चाहते हैं तो लें और तरोताजा होकर वापसी करें। उन्होंने जोर दिया कि यह एक ईमानदार बातचीत होनी चाहिए, ताकि यह साफ हो सके कि उन्हें ब्रेक चाहिए या वह खेलने के लिए तैयार हैं। बांगड़ का मानना है कि मुंबई को बुमराह के बिना खेलने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, भले ही इसका मतलब सत्र खराब जाना हो। उन्होंने कहा, यह इस पर भी निर्भर करता है कि कोच और टीम प्रबंधन क्या सोच रहे हैं। अगर मुंबई बुमराह के बिना खेलने के लिए तैयार है, अगर मुंबई नीचे के स्थान पर सीजन खत्म करने के लिए तैयार है, तो शायद बुमराह बाकी मैच खेलने का फैसला ले सकते हैं। बांगड़ के अनुसार, बुमराह की विफलता प्रयास की कमी नहीं है। उन्होंने कहा, वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। बुमराह के लिए यह असामान्य है कि वह पहले दो ओवरों में 31 रन दें। वह पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी बांडी गेंदवेज से दिखता है कि वह परेशान हैं। बांगड़ ने यह भी कहा कि उनका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा। उन्हें दूसरे ओवर में गेंद दी गई और फिर चौथे ओवर में। मेरा मानना है कि अपने सबसे अच्छे गेंदबाज को शुरुआत में ही दो अच्छे ओवर पहला और तीसरा देने चाहिए।

## विश्व कप फुटबॉल से पहले ईरान और पेरु के साथ अभ्यास मैच खेलेगा स्पेन

**मैड्रिड।** स्पेन की फुटबॉल टीम विश्व कप 2026 की अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए ईरान के साथ 4 जून को एक अभ्यास मैच खेलेगी। स्पेनिश टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि यह मुकाबला टीम के लिए टूर्नामेंट से पहले अपनी अग्रणीति और खिलाड़ियों की फिटनेस को परखने का एक अहम अवसर होगा, विशेष रूप से जब टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझना पड़ रहा है। गौरतलब है कि यूरोपीय चैंपियन होने के कारण स्पेन विश्व कप 2026 के प्रबल दावेदारों में से एक है। ईरान के खिलाफ ये मैच टीम के लिए मेक्सिको दौरे से पहले अंतिम घरेलू परीक्षा होगा, जिसके बाद वे पुएब्ला में पेरु के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेंगे। इन मुकाबलों का लक्ष्य टीम संयोजन को समझना, नई रणनीतियों का परीक्षण करना और युवा प्रतिभाओं को बड़े मंच के लिए तैयार करना है, जिससे वे विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। स्पेन टीम के मुख्य कोच लुइस डी ला फोंटे के सामने अभी खिलाड़ियों का फिट नहीं होना एक बड़ी चुनौती है। कोच ने साफ किया है कि वे टीम चयन से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि कई अहम खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं। ला लीगा सीजन के समाप्त होने के बाद 24 मई को टीम की अंतिम घोषणा की जाएगी। खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक तैयारी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में सफलता के लिए अहम होती है। टीम के लिए सबसे अधिक चिन्ता का कारण स्टार खिलाड़ी लमानन यामिन ल फिट नहीं होना है, जो हैमरिंटिंग की चोट के कारण मौजूदा सीजन से बाहर हो चुके हैं और वॉर्म-अप मैचों में उनकी भागीदारी की संभावना भी कम है।



## ‘ग्लोरी’ के लिए हर दिन करता था 5-6 घंटे ट्रेनिंग

एक्टर पुलकित सम्राट अपनी अपकमिंग सीरीज ‘ग्लोरी’ को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज के साथ वह अगल क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इसमें वे अपनी जानी-पहचानी रोमांटिक इमेज को छोड़कर बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित भूमिका निभाई है। इसमें काफी शारीरिक मेहनत की जरूरत पड़ी। हाल ही में उन्होंने इस रोल के लिए की गई तैयारी के बारे में बताया है।

### उम्मीद से ज्यादा थी मेहनत

सम्राट ने बातचीत में कहा ‘जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तो मुझे लगा कि ठीक है, मैं पहले से ही फिट हूँ, इसलिए मुझे बॉक्सर जैसा दिखने के लिए या बॉक्सिंग के लिए इतनी ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। लेकिन, जैसे ही मैंने ट्रेनिंग शुरू की, मुझे एहसास हुआ कि मैं बहुत पीछे हूँ।’

### हर दिन कितनी करते थे ट्रेनिंग?

अपने हर दिन के रूटीन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा ‘एक एथलीट जैसा दिखे बिना एथलीट जैसी ट्रेनिंग करना मुमकिन नहीं है। इसलिए, मुझे सचमुच एक बॉक्सर की तरह ही ट्रेनिंग करनी पड़ी। मुझे बॉक्सिंग की हर बारीकी सीखनी पड़ी। मैं दिन में कम से कम 5-6 घंटे ट्रेनिंग करता था, जिसमें 2 घंटे बॉक्सिंग, 1-1.5 घंटे स्ट्रेचिंग और फिजियोथेरेपी शामिल होती थी। यह सब इसलिए किया जाता था ताकि मैं अगले दिन फिर से ट्रेनिंग के लिए जा सकूँ और मेरे शरीर पर बहुत ज्यादा जोर न पड़े।’ उन्होंने इस किरदार में जान डालने में मदद करने के लिए अपनी टीम को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, ‘मैं खुशकिस्मत हूँ कि मुझे एक बहुत अच्छी टीम मिली।’

वेब सीरीज ‘ग्लोरी’, भारतीय बॉक्सिंग की दुनिया को दिखाती है। इसमें पारिवारिक झगडा, बदला और एक मर्डर मिस्ट्री का मेल है। इसमें दिव्येंद्र, सुविंदर विककी, जन्त जूबर, आशुतोष राणा, सिकंदर खेर, सयानी गुमा, यशपाल शर्मा, कश्मीरा परदेशी और कुणाल ठाकुर हैं।



# प्रेग्नेंसी के बावजूद ‘राका’ की शूटिंग जारी रखेंगी दीपिका

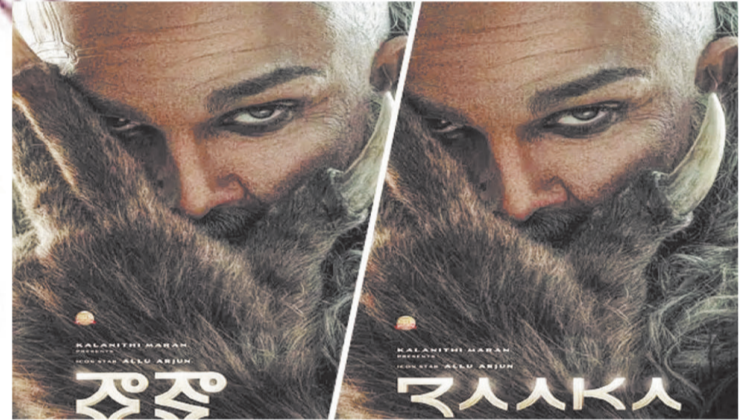
एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म ‘राका’ दीपिका पादुकोण और अल्लु अर्जुन की वजह से पहले से ही चर्चाओं में है। हाल ही में इसका पोस्टर भी शेयर किया गया था, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। इस बीच दीपिका की दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद उनके किरदार को लेकर कई सवाल सामने आ रहे थे, जिनके कुछ जवाब सामने आए हैं।

### ऐसे शूट होंगे एक्शन सीन

दीपिका पादुकोण की फिल्म ‘राका’ को लेकर नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद भी फिल्म में अपने अहम किरदार को निभा रही हैं और उनके रोल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। फिल्म की टीम ने पहले ही बताया था कि दीपिका प्रेग्नेंसी के दौरान भी शूटिंग जारी रखेंगी, और कुछ एक्शन सीन बॉडी डबल की मदद से पूरे किए जाएंगे। अब ताजा अपडेट के अनुसार, फिल्म में उनका किरदार पहले जैसा ही रहेगा और कहानी में उनका इमोशनल टैक भी वैसा ही रखा गया है।

### रोल में नहीं होगा कोई बदलाव

प्रोडक्शन से जुड़े स्रोतों के मुताबिक, दीपिका फिल्म में कहानी का बहुत अहम हिस्सा हैं और उनके रोल में कोई कटौती नहीं की गई है। बताया गया है कि एक्शन वाले कुछ हिस्से अब बॉडी डबल से शूट होंगे, जबकि वह खुद इमोशनल और ड्रामेटिक सीन शूट करती रहेंगी। सूत्र ने कहा, ‘दीपिका की फिल्म में शानदार एंटी है और अल्लु अर्जुन के साथ उनका एक बड़ा एक्शन मोमेंट भी है। ये सभी सीन अब बॉडी डबल से किए जाएंगे, लेकिन उनके ड्रामेटिक सीन वैसा ही रहेंगे। उनका रोल बिल्कुल वैसा ही है, कोई बदलाव नहीं किया गया है। वह फिल्म की एक मुख्य किरदार हैं और प्रेग्नेंसी के कारण कुछ भी हटाया नहीं गया है।’ पहले भी एक सूत्र ने बताया था कि प्रेग्नेंसी के दौरान भी दीपिका फिल्म के इंटर्स एक्शन सीन शूट कर रही थीं और वह पूरे प्रोजेक्ट के दौरान शूटिंग जारी रखेंगी।



# ट्रोलर्स पर भड़कीं पवित्रा पुनिया

एक्टर-एक्ट्रेस को अवसर सर्जरी को लेकर ट्रोल किया जाता है। बीते दिनों अभिनेत्री मौनी रॉय को भी सर्जरी और फिलर्स को लेकर ट्रोल किया गया था। अब अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने ट्रोलर्स को सर्जरी को लेकर एक्टर्स को ट्रोल करने पर फटकार लगाई है।

उन्होंने लोगों से किसी की व्यक्तिगत पसंद का सम्मान करने की बात कही है। साथ ही एक्टर्स के जीवन में दखल देना बंद करने को भी कहा है।

### बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता

पवित्रा पुनिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। पवित्रा ने एक वीडियो साझा किया है। इसमें पवित्रा ने ‘द डेविल विजयस प्राइड 2’ की स्क्रीनिंग से मौनी की एक तस्वीर वाला वीडियो साझा किया। वीडियो के ऊपर लिखा था, ‘सभी ट्रोलर्स से, ट्रोल करना और अभिनेताओं को परेशान करना बंद करें। यह आपकी रसोई नहीं है और न ही आपका खाना। बकवास करने से हमें कुछ नहीं होता, लेकिन आप लोग ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे आपको इसके लिए अतिरिक्त पैसे मिलते हों।’

### ट्रोल मत करो चुप रहो

इस वीडियो में पवित्रा ने सीधे मुद्दे पर बात करते हुए कहा, ‘ठीक है, मुझे नहीं पता आप लोगों को क्या दिक्कत है, लेकिन मुझे लगता है कि आप सबको ट्रोल करना बहुत पसंद है। कहीं न कहीं मुझे लगता है कि मीडिया भी इन तस्वीरों को पोस्ट करके और फिर कैप्शन को बहुत ही व्यंग्यात्मक और हास्यास्पद तरीके से लिखकर दर्शकों को अनुमान लगाने का मौका देकर इन चीजों का आनंद ले रहा है। सबसे पहले उन लोगों के लिए जो ट्रोल करना पसंद करते हैं, यह कहकर कि ‘उन्होंने सर्जरी करवाई है, 500 सर्जरी करवाई है, 1 लाख सर्जरी करवाई है।’ वो 1 लाख आपसे नहीं लिए गए हैं और हम आपसे सुझाव लेने नहीं आते। कम से कम इंटरस्टी में कुछ लोग तो अब भी कहते हैं कि हां, हम वो कर रहे हैं। अगर आप वो करना चाहते हैं, अगर आपका परिवार वो करना चाहता है, तो कृपया आगे बढ़ें, पैसे खर्च करें और करें। ट्रोल मत करो। बस चुप रहो।’

# अनिल रविपुडी की फिल्म में नजर आएंगी कीर्ति सुरेश और कृति शेटी



निर्देशक अनिल रविपुडी की आगामी मल्टी-स्टार फिल्म घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसमें वेंकटेश दग्गुबाती और नंदामुरी कल्याणराम मुख्य भूमिका में हैं। अब फिल्म की कास्टिंग को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म में दो बड़ी हीरोइनों के भी शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। फिल्म की कास्टिंग को लेकर सामने आ रही नई जानकारी के मुताबिक, कीर्ति सुरेश और कृति शेटी फिल्म में लीडिंग एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। निर्देशक अनिल रविपुडी ने एक कार्यक्रम में संकेत दिया कि कृति शेटी नंदामुरी कल्याणराम के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी, जो एक नई जोड़ी होगी। वहीं हाल की खबरों के अनुसार, कीर्ति सुरेश को वेंकटेश के साथ कास्ट किए जाने की संभावना है। हालांकि, उनकी कास्टिंग को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इंटरस्टी में चर्चा है कि उन्हें इस भूमिका के लिए फाइनल कर लिया गया है।

### एक दशक बाद साथ आ रहे नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी

इस फिल्म के जरिए नंदामुरी कल्याणराम और अनिल रविपुडी लगभग एक दशक के बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले निर्देशक ने ‘पटास’ से अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही यह वेंकटेश और रविपुडी की साथ में पांचवीं फिल्म होगी, जो लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता देने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होने की उम्मीद है, जिसके पहले शेड्यूल में वेंकटेश और कीर्ति सुरेश के नजर आने की संभावना है। यह शेड्यूल वेंकटेश द्वारा त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित उनकी मौजूदा फिल्म ‘आदर्श कट्टुबम’ का काम पूरा करने के बाद शुरू होने की उम्मीद है।



# स्टार किड्स पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है

बचपन में ‘तारे जमीन पर’ से घर-घर में पहचान बनाने वाले दर्शील सफारी का सफर सिर्फ एक फिल्म की सफलता तक सीमित नहीं रहा। शुरुआती स्टारडम के बाद उन्हें लंबे समय तक खुद को फिर से साबित करने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान दर्शील ने इंटरस्टी में नेपोटिज्म, अपने स्टूडेंट, बदलती सोच और बाबिल खान को लेकर उठे विवाद पर खुलकर अपनी राय रखी।

### नेपोटिज्म की बहस में छिपी है असली सच्चाई

वह कहते हैं, ‘लोग बाहर से इंटरस्टी को एक ही नजर से देखते हैं। लेकिन अंदर आकर समझ आता है कि चीजें इतनी सिंपल नहीं हैं। नेपोटिज्म की बात होती है, लेकिन अगर मैं किसी को जानता हूँ, उसके साथ पहले काम कर चुका हूँ, तो मैं उसी के साथ काम करना चाहूंगा। किसी अनजान के साथ रिस्क लेना हर कोई नहीं चाहता। ये नेपोटिज्म का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन ये इंसानी नेचर भी है।’

### दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं

दर्शील आगे कहते हैं, ‘इसका मतलब ये नहीं है कि बाहर वालों के लिए दरवाजे बंद हैं। सच ये है कि

दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं। अगर आप खुद जाकर अपना काम नहीं दिखाओगे, तो कोई आपको दूँदने नहीं आएगा। आपको खुद सामने आना पड़ेगा। खुद बताना पड़ेगा कि आप क्या कर सकते हो।’

### नेगेटिव सोच आपको लिमिट कर देती है

अपने करियर के उत्तार चढ़ाव पर वह साफ कहते हैं, ‘बहुत बार ऐसा होता है कि हम बैठकर सोचते रहते हैं कि मेरे साथ ये गलत हुआ, मुझे ये मौका नहीं मिला। और उसी में हम खुद को लिमिट कर लेते हैं। मैं हमेशा यही सोचता हूँ कि मेरे पास क्या है और मैं उससे क्या बेहतर कर सकता हूँ। नेगेटिव सोच आपको कहीं नहीं ले जाती।’

मई 2025 में दिवंगत इरफान खान के बेटे बाबिल खान का एक इमोशनल वीडियो चर्चा में आया था। इसमें उन्होंने बॉलीवुड को ‘फेक’ बताया था और अपनी इमोशंस जाहिर की थीं। इस पर जब दर्शील से सवाल किया गया, तो उन्होंने इस मुद्दे को संतुलित नजरिए से देखने की बात कही। ये भी इंटरस्टी का ही हिस्सा है। आप इसे कैसे देखते हो, ये बहुत मायने रखता है। आप चाहो तो हर चीज को नेगेटिव तरीके से देख सकते हो। और चाहो तो उसे समझने की कोशिश



हो गया, मुझे साइड कर दिया गया, तो आप खुद को लिमिट कर लो। मेरे हिसाब से हमें इस पर ध्यान देना चाहिए कि हमारे पास क्या मौके आ रहे हैं। कौन से दरवाजे खुले हैं। क्योंकि दरवाजे बंद नहीं होते, हम उनका देखा बंद कर देते हैं।

भी कर सकते हैं। अगर किसी को आप रिस्कट दोगे, तो वो अपना काम करके देगा। लेकिन असली बात आपकी अप्रोच की है। वह आगे जाते हैं, ‘अगर आप बैठकर यही सोचते रहोगे कि मेरे साथ ये गलत हुआ, तो आप खुद को लिमिट कर लो। मेरे हिसाब से हमें इस पर ध्यान देना चाहिए कि हमारे पास क्या मौके आ रहे हैं। कौन से दरवाजे खुले हैं। क्योंकि दरवाजे बंद नहीं होते, हम उनका देखा बंद कर देते हैं।’

### मैंने लीड बदलो, रास्ते खुद बनने

दर्शील मानते हैं कि पूरा खेल सोच का है। वह कहते हैं, ‘मैं पर्सनली चीजों को इस तरह देखता हूँ कि ये सब मैंने लीड की बात है। अगर आप सिर्फ ये सोचते रहोगे कि ये नहीं हुआ, वो नहीं हुआ, तो आप वहीं फंस जाओगे। लेकिन अगर आप फोकस करोगे कि आगे क्या करना है, तो रास्ते खुद बनने लगते हैं।’

### फिल्में मेरे लिए एक सेफ स्पेस हैं

बात खत्म करते हुए वह कहते हैं, ‘मेरे लिए फिल्मों में काम करना एक सेफ स्पेस जैसा है। मैं चलना पसंद करता हूँ। सोचता हूँ। चीजों को समझने की कोशिश करता हूँ। कई बार जब आप किसी चीज को अलग नजरिए से देखते हो, तो आपको उसके जवाब भी मिल जाते हैं।’

